संवाद पत्र — पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 7 | द्वितीय वर्ष | त्रैमासिक | जुलाई, 2008

रेल सप्ताह, 2008

दिनांक 11-04-2008 को ओपन लाइन के साथ संयुक्त रूप से रेल सप्ताह, 2008 का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट सेवा हेतु निर्माण संगठन के

'रेल सप्ताह' 2008 के दौरान व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबन्धक/नि.

कुल 44 व्यक्तिगत एवं 2 सामूहिक पुरस्कार प्रदान किए गए । उक्त रेल सप्ताह समारोह में दक्षता शील्ड भी वितरित की गयी । दिनांक 16-04-08 को मुम्बई में आयोजित समारोह में इस संगठन के श्री गुरु प्रकाश, उप मुख्य इंजीनियर/नि/अम्बासा रेलवे बोर्ड स्तर के पुरस्कार से पुरस्कृत किए गए ।

अध्यक्ष, रेल समिति (लोकसभा)का दौरा

श्री बासुदेव अचारिया, अध्यक्ष, रेल समिति (लोकसभा) ने इस यूनिट का दिनांक 17-06-08 को दौरा किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने महाप्रबन्धक/निर्माण एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की । बैठक में श्री अचारिया को पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के द्वारा विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के बारे में अवगत कराया गया ।

श्री बासुदेव अचारिया, अध्यक्ष, रेल समिति (लोकसभा), श्री शिव कुमार महाप्रबन्धक/नि.,एवं अन्य अधिकारियों के साथ निर्माण संगठन के विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए

नव परिवर्तित कटिहार-जोगबनी बड़ी लाइन सेक्शन का शुभारंभ

माननीय रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद ने दिनांक 4 जून, 2008 को, श्री तसलीम उद्दीन, केन्द्रीय कृषि, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री, माननीय सांसद सर्वश्री सुकदेव पासवान,उदय सिंह, निखिल कुमार चौधरी एवं बिहार के वर्तमान एवं पूर्व मंत्रीगण तथा विधायकगण की उपस्थिति में जोगबनी में आयोजित एक जनसभा में पूर्वोत्तर सीमा रेल के नव-परिवर्तित कटिहार-जोगबनी बड़ी लाइन सेक्शन का उद्घाटन किया एवं सेक्शन में रेल यातायात का शुभारंभ जोगबनी-कोलकाता विशेष गाड़ी को झंडी दिखाकर रवाना किया ।

आमान परिवर्तित (बड़ी लाइन) कटिहार-जोगबनी सेक्शन पर पहली ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय रेलमंत्री श्री लालू प्रसाद एवं अन्य अतिथिगण

इस अवसर पर माननीय रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद ने पू.सी.रेल (निर्माण संगठन) को पुरस्कार स्वरूप 10 लाख रूपये प्रदान करने की घोषणा की ।

कैबिनेट सचिव, भारत सरकार द्वारा इंफाल में समीक्षा बैठक का आयोजन

दिनांक 26-04-2008 को कैबिनेट सचिव, भारत सरकार द्वारा इंफाल में एक समीक्षा बैठक की गई, जिसमें जिरीबाम-तुपुल नई लाइन परियोजना की भूमिका, नियोजन एवं प्रगति के साथ ही सुरक्षा आवश्यकता सम्बन्धी विषय पर 'पावर प्वाइंट' प्रस्तुतीकरण किया गया । परियोजना के प्रथम 9.9 कि.मी. का कार्य संतोषजनक रूप से प्रगतिरत है । रेलवे बोर्ड द्वारा तुपुल छोर से 16.6 कि.मी. के प्राक्कलन की स्वीकृति प्राप्त हो गयी है, शीघ्र ही तुपुल छोर से कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा । दिनांक 25-04-08 को महाप्रबंधक/निर्माण ने मुख्य सचिव, मणिपुर सरकार तथा दिनांक 26-04-08 को माननीय मुख्यमंत्री, मणिपुर से मुलाकात कर परियोजना की प्रगति से अवगत कराया।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री शिव कुमार	श्री बकरीदन	श्री एस. बेहेरा	श्री शरद विधु शुक्ल
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	राजभाषा अधिकारी/नि

कुमारघाट-अगरतला नई लाइन परियोजना हिंसक घटनाओं से प्रभावित

दिनांक 26-04-2008 को कुमारघाट-अगरतला नई लाइन परियोजना के अम्बासा-मुंगियाकामी स्टेशनों के बीच श्री देवब्रत दास, सेक्शन इंजीनियर/नि/कार्य/अगरतला का अपहरण तथा ठेकेदार के कर्मचारी श्री दीरेन्द्र देवनाथ की निर्मम हत्या की दुर्घटना हुई । इस सिलसिले में दिनांक 27-04-08 को मुख्य सचिव, त्रिपुरा सरकार एवं महानिदेशक पुलिस/त्रिपुरा के साथ श्री दास को मुक्त करवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई हेतु एक बैठक आयोजित की गई तथा राज्य सरकार द्वारा उचित कार्रवाई किये जाने के कारण श्री दास को उग्रवादियों के चंगुल से 40 दिनों के पश्चात दिनांक 05.06.08 को मुक्त कर लिया गया। उपर्युक्त घटना से परियोजना में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेकेदारों के कर्मचारियों का मनोबल काफी प्रभावित हुआ है ।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दूसरी बैठक

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दूसरी बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबन्धक/नि.

श्री शिव कुमार, महाप्रबन्धक/निर्माण की अध्यक्षता में दिनांक 16-06-2008 को वर्ष की दूसरी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया । इसमें रेलवे बोर्ड द्वारा नामित प्रेक्षक श्री सैयद हामिद अली ने भी भाग लिया एवं राजभाषा विभाग द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की एवं इसके और विस्तार के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिये ।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर श्री सैयद हामिद अली का स्वागत करते हुए श्री बकरीदन, मुराधि/नि., श्री एस. बेहरा उमुराधि/नि. एवं श्री एस. सी. पिंगुवा, उमुराधि/मालीगांव

लामडिंग-सिलचर परियोजना में उग्रवादी गतिविधियों के कारण निर्माण कार्य प्रभावित

मई, 2008 के दौरान लमडिंग-सिलचर परियोजना सेक्शन में एन. सी. हिल्स क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण से परे हो गयी है । दिनांक 10-05-2008 से 16-05-2008 तक की 6 दिनों की संक्षिप्त अवधि में कुल 6 घटनाएँ घटित हुई, जिसमें 2 रेल कर्मियों, ठेकेदारों के 10 श्रमिकों तथा 12 आम नागरिकों की जानें चली गई तथा पायलट ट्रेन के एक लोको सहायक, एक ट्रैकमैन एवं ठेकेदार के एक कर्मचारी सहित 3 लोग घायल हुए । सुरंग संख्या 13 पर सुरक्षा कर्मियों एवं उग्रवादियों के बीच जोरदार मुठभेड़ के अतिरिक्त सीमेंट से लदे पाँच ट्रकों में आग लगाने की घटनाएँ भी घटित हुई। परिणामतः एन. सी. हिल्स क्षेत्र की परियोजनाओं में आतंकी गतिविधियों के कारण सभी कार्य ठहर गये हैं । ठेकेदार काम करना नहीं चाहते हैं क्योंकि उनके श्रमिक, कार्य पर्यवेक्षक एवं अभियन्तागणों ने काम छोड़ दिया है तथा कार्यस्थल से पलायन कर गए हैं । इस घटना के बाद सेक्शन में रेल तथा सड़क यातायात स्थगित कर दिया गया । रेल तथा सड़क यातायात सेवा के बाधित होने एवं सड़क मार्ग के जोखिम के कारण रेल अधिकारी एवं कर्मचारियों का कार्यस्थल तक पहुँचना दुष्कर हो गया है । हाफलांग मुख्यालय के स्थानीय कर्मचारी एवं अधिकारी भी स्वयं तथा अपने परिवार की जान की रक्षा के लिए हाफलांग से चले गए हैं क्योंकि उग्रवादियों ने आमान-परिवर्तन के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्य को भी रोकने की धमकी दी है । मुख्य सचिव एवं महानिदेशक (पुलिस), असम सरकार को इस सम्बन्ध में सभी गतिविधियों से अवगत कराया गया है एवं परित्यक्त कार्य पुनः प्रारम्भ करने हेतु कानून-व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया गया है ।

स्वागत

(i) श्री गुरदयाल सिंह ने दिनांक 25.04.08 को मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण-II का पदभार ग्रहण किया ।

(ii) श्री एस.सी. रजक ने दिनांक 15.05.08 को मुख्य इंजीनियर/निर्माण-III का पदभार ग्रहण किया ।

(iii) श्री वी. पी श्रीवास्तव ने दिनांक 03.06.08 को मुख्य इंजीनियर/निर्माण-IV का पदभार ग्रहण किया ।

निर्माण संगठन की उपलब्धियाँ

(i) कटिहार-जोगवनी सेक्शन (108 कि. मी.) का आमान परिवर्तन पूरा कर लिया गया एवं दिनांक 4.6.08 को माननीय रेलमंत्री श्री लालू प्रसाद द्वारा जोगवनी स्टेशन से इस सेक्शन पर रेल यातायात का शुभारम्भ किया गया ।

(ii) कटिहार यार्ड का पुनर्निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। कटिहार यार्ड का एनआई कार्य जो दिनांक 18.05.08 को प्रारंभ किया गया था दिनांक 7.6.08 को पूरा कर लिया गया ।

(iii) कुमारघाट-अगरतला नई लाइन परियोजना के मुंगियाकामी-अम्बासा खंड के बीच सुरंग संख्या 2 का कार्य पूरा किया गया । यद्यपि दिनांक 26-04-08 को अपहरण एवं मारने की घटना ने रेल अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों तथा ठेकेदारों के कर्मचारियों के मनोबल को प्रभावित किया था किन्तु उनके समर्पित प्रयासों के कारण अगरतला से अम्बासा सेक्शन के बीच कुल 68 कि.मी. ट्रैक लिंकिंग का कार्य समाप्त करने के पश्चात दिनांक 29.6.08 को इंजिन रौल किया गया ।

(iv) सिलघाट-सेनचुवा आमान परिवर्तन परियोजना में पुल सं. 100 का कार्य पूर्ण होने पर इस सैक्शन में दिनांक 25.06.08 को इंजिन रौल किया गया ।

(v) हारमुती-इटानगर नई लाइन परियोजना (33 कि.मी.) में 6.5 से 7.5 कि.मी. को छोड़कर, जहाँ स्थानीय लोगों द्वारा कार्य बाधित किया गया, 10 कि.मी. तक कंक्रीट पिलरिंग का कार्य पूरा कर लिया गया । माह के दौरान 9 छोटे पुलों का भू-तकनीकी अन्वेषण किया गया ।

(vi) रंगिया-मुकौंगसेलेक आमान परिवर्तन परियोजना के तहत रंगिया-रंगापाड़ा नॉर्थ (फेज-I) 76,700 क्यूबिक मीटर भू-कार्य पूरा कर लिया गया है ।

(vii) न्यू मैनागुड़ी-जोगीघोपा नई लाइन आमान परिवर्तन परियोजना के न्यू कूचबिहार-गोलकगंज सेक्शन (फेज-I) में 81000 क्यूबिक मीटर भू कार्य, महत्वपूर्ण पुल संख्या 174 (13x45.7 मी.) का उपसंरचना एवं 4 छोटे पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया ।

(viii) न्यू बंगाईगांव वर्कशॉप में 5 में से 2 शेडों का कार्य पूर्णत: पूरा कर लिया गया है ।

(xi) हैबरगांव-मोयराबाड़ी आमान परिवर्तन परियोजना में 3 बड़े पुलों का अधिसंरचना पूरा किया गया । 2.50 लाख क्यूबिक मीटर में से 2.20 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य पूरा किया गया । कुल 44050 क्यूबिक मीटर में से 18000 क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति की गई । कुल 13 में से 10 बड़े पुलों का कार्य प्रगति पर है ।

(x) कामाख्या जंक्शन में नये स्टेशन के लिए कुल 4 में से 3 वाशेबल एप्रॉन को पूरा कर लिया गया है । बी. जी. उच्च स्तर प्लेटफार्म संख्या 4 पर चार तट वाली पी पी शेड को पूरा कर लिया गया है । समीपवर्ती क्षेत्र में कुल 1.55 लाख क्यूबिक मीटर में से 52000 क्यूबिक मीटर भू-कार्य पूरा कर लिया गया है । यात्री सुविधाएं एवं कोचिंग व्यवस्था सम्बन्धी कार्य फेज-II अनुरूप प्रगति पर है ।

(xi) बोगीबिल परियोजना में 1.76 लाख क्यूबिक भू-कार्य, 16000 क्यूबिक मीटर बोल्डर आपूर्ति, 1600 क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति, 1121 रेल ज्वाइंटों, 2.85 कि.मी. ट्रैक लिंकिंग एवं चार टर्नआउट को अन्तर्निहित किया गया ।

(xii) फकीराग्राम-धुबड़ी आमान परिवर्तन परियोजना के तहत 2 छोटे पुलों एवं 2 स्टेशन भवन का कार्य पूरा कर लिया गया ।

(xiii) जिरीबाम-तुपुल नई लाइन परियोजना में कुल 98 कि.मी. एफ. एल. एस. में से 67 कि. मी. एफ. एल. एस. संचयी रूप में पूरा किया गया है । भू-कार्य की संचयी प्रगति 28 लाख क्यूबिक मीटर हो गई है एवं छोटे पुलों को पूरा कर लिया गया है ।

(xiv) कटखल-भैरवी आमान परिवर्तन परियोजना के तहत भू-कार्य की कुल संचयी प्रगति 56500 क्यूबिक मीटर हो गयी ।

स्थानांतरण

(i) अप्रैल, 08 में श्री अमियांशु दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-III इरकॉन में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित हुए ।

(ii) अप्रैल, 08 में श्री बी. चौधरी, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-V स्थानांतरित होकर उत्तर मध्य रेलवे गये ।

(iii) मई, 08 में श्री वी. के. मधुकर, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-III स्थानांतरित होकर उत्तर रेलवे गये ।

(iv) जून, 08 में श्री एम. एस. चौहान, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-IV स्थानांतरित होकर मालीगांव (ओपन लाइन) गये ।

पदस्थापन

(i) श्री आर.एल. मीणा जो इसी संगठन में उप मुख्य इंजीनियर/नि./निविदा के पद पर कार्यरत थे, पदोन्नति पाकर दिनांक 22.04.08 को मुख्य इंजीनियर/निर्माण-V का पदभार ग्रहण किया ।

(ii) श्री डी. आर. टेम्भुर्ने ने दिनांक 28.04.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/निविदा का पदभार ग्रहण किया ।

(iii) श्री सुशील कुमार ने दिनांक 05.05.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/अलीपुरद्वार जं. का पदभार ग्रहण किया ।

(iv) श्री एस. बेहेरा, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/नि ने दिनांक 06.05.2008 को उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया ।

(v) श्री एम. वी. डेकाटे ने दिनांक 11.05.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/III/सिलचर का पदभार ग्रहण किया ।

(vi) श्री एस.पी. यादव, उप मुख्य इंजीनियर/नि/अभिकल्प-II ने दिनांक 10.06.08 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/कटिहार का पदभार ग्रहण किया ।

(vii) श्री एस.पी. सिंह ने दिनांक 23.06.2008 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/अभिकल्प-II का पदभार ग्रहण किया ।

प्रशंसा

डा० कुमार विमल

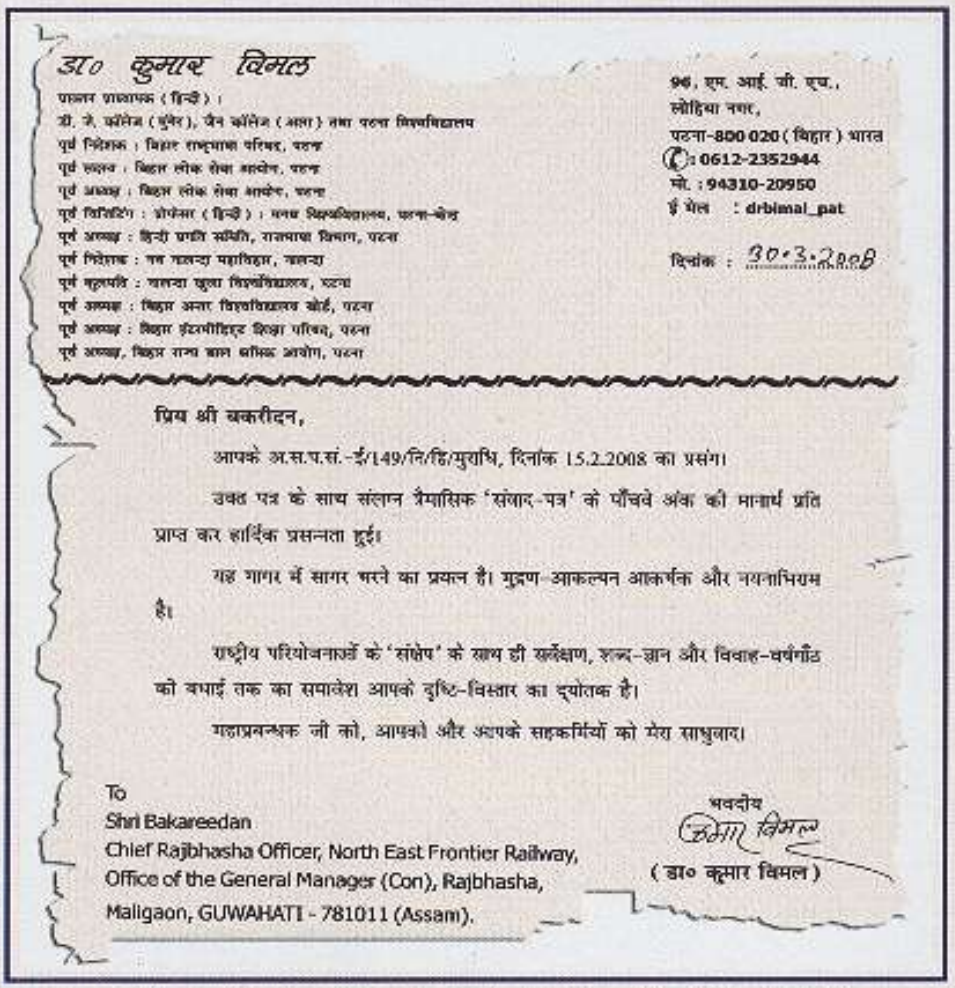

प्राक्तन प्राध्यापक (हिन्दी) :
डी. जे. कॉलेज (मुंगेर), जैन कॉलेज (आरा) तथा पटना विश्वविद्यालय
पूर्व निदेशक : बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
पूर्व सदस्य : बिहार लोक सेवा आयोग, पटना
पूर्व अध्यक्ष : बिहार लोक सेवा आयोग, पटना
पूर्व विजिटिंग : प्रोफेसर (हिन्दी) : मगध विश्वविद्यालय, [illegible]
पूर्व अध्यक्ष : हिन्दी प्रगति समिति, राजभाषा विभाग, पटना
पूर्व निदेशक : नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा
पूर्व कुलपति : नालन्दा खुला विश्वविद्यालय, पटना
पूर्व अध्यक्ष : बिहार अन्तर विश्वविद्यालय बोर्ड, पटना
पूर्व अध्यक्ष : बिहार इंटरमीडिएट शिक्षा परिषद, पटना
पूर्व अध्यक्ष, बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग, पटना

96, एम. आई. जी. एच.,
लोहिया नगर,
पटना-800 020 (बिहार) भारत
✆: 0612-2352944
मो. : 94310-20950
ई मेल : drbimal_pat

दिनांक : 30-3-2008

प्रिय श्री बकरीदन,

आपके अ.स.प.सं.-ई/149/नि/हि/मुराधि, दिनांक 15.2.2008 का प्रसंग।

उक्त पत्र के साथ संलग्न त्रैमासिक 'संवाद-पत्र' के पाँचवे अंक की मानार्थ प्रति प्राप्त कर हार्दिक प्रसन्नता हुई।

यह गागर में सागर भरने का प्रयत्न है। मुद्रण-आकल्पन आकर्षक और नयनाभिराम है।

राष्ट्रीय परियोजनाओं के 'संक्षेप' के साथ ही सर्वेक्षण, शब्द-ज्ञान और विवाह-वर्षगाँठ की बधाई तक का समावेश आपके दृष्टि-विस्तार का द्योतक है।

महाप्रबन्धक जी को, आपको और आपके सहकर्मियों को मेरा साधुवाद।

भवदीय
कुमार विमल
(डा० कुमार विमल)

To
Shri Bakareedan
Chief Rajbhasha Officer, North East Frontier Railway,
Office of the General Manager (Con), Rajbhasha,
Maligaon, GUWAHATI - 781011 (Assam).

निर्माण संगठन द्वारा जारी की जा रही त्रैमासिक (संवाद पत्र) की प्रतियां सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ-साथ हिन्दी सलाहकार समिति के सभी माननीय सदस्यों एवं गणमान्य व्यक्तियों को भेजी जाती हैं । इस पत्र की गुणवत्ता एवं उपयोगिता के बारे में माननीय डॉ. कुमार विमल जी, सदस्य, रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति का प्रशंसा पत्र, अपने-आप में इसकी गुणवत्ता एवं उपयोगिता को दर्शाता है ।

लेख

देवशक्ति का प्रतीक - असम का देवधनी नृत्य

-श्रीमती मुन मुन शर्मा
राजभाषा अधीक्षक/नि

पूर्वी हिमालय की गोद में बसे असम की संस्कृति कई अर्थों में विशिष्ट है । भारत के इस दूर-दराज के भाग में भारत की प्राचीन संस्कृति की परम्परा अन्य भागों की अपेक्षा कहीं अधिक अक्षुण्ण बनी रही है । भारत के आजाद होने तक इस पार्वत्य प्रदेश का देश के अन्य भागों से दैनंदिन सांस्कृतिक अथवा वाणिज्यिक संबंध स्थापित नहीं हो पाया, जिस कारण यहाँ की संस्कृति अपनी विशिष्टता को सतत बनाए रख पाई । इसी सांस्कृतिक सातत्य का एक उदाहरण है यहाँ का देवधनी नृत्य ।

आदि काल में एक दिन शिवजी से पार्वती ने पूछा था कि कौन सी शक्ति मनुष्य के जीवन को चलाती है और मनुष्य को किसकी पूजा करनी चाहिए, तो शिवजी ने उस शक्ति को नारी रूप बताया था और तंत्रों द्वारा पूजा-पाठ की विधि सर्वोत्तम विधि बताई थी। शक्ति की पूजा प्रकृति पूजा है । यही शाक्त धर्म का मूल कहा जाता है, तांत्रिक विद्या का भी । इस प्रकार शाक्तवाद असम के प्रारंभिक विकास काल में सर्वाधिक प्रचलित था, जिसका प्रेरणा केंद्र कामाख्या देवी का मंदिर रहा । यह कामाख्या मंदिर रक्त और बलि प्रधान है । मनुष्य की भी बलि दी जाती थी और ऐसे व्यक्ति की बलि दी जाती थी, जिसमें कोई शारीरिक दोष न हों ।

इस शाक्त पूजा के अलवा 'देवधनी नृत्य' यहाँ के प्रमुख उत्सव के रूप में मनाया जाता है । यह असम के पारम्परिक नृत्य है । श्रावन-भादो के महीने की संक्रांति के दिन कामाख्या मंदिर में मारै पूजा या मनसा पूजा शुकआनी संग आयोजन किया जाता था । उक्त मनसा पूजा के साथ 'देवधनी नृत्य' भाद्र माह की पहली और दूसरी तारीख को कामाख्या मंदिर के प्रांगण में देवी की संतुष्टि के लिए अनुष्ठित किया जाता है । यह 'देवधनी नृत्य' व्यक्ति विशेष ही प्रस्तुत करते हैं । इन व्यक्तियों में कोई भी अशरीरी देवशक्ति स्वयं ही आरोपित हो जाती है । इनको देउधा कहते हैं । इन देउधाओं में अशरीरी देवशक्ति आरोपित होती है । देवदासी प्रथा की भाँति 'देवधनी नृत्य' में भी कन्याएँ नृत्य करती हुई देवी की खातिर अपना जीवन उत्सर्ग करती हैं । इन्हें ही देवधनी कहते हैं तथा इन्हीं के नाम पर देवधनी नृत्य का नामकरण हुआ ।

उक्त मंदिर के प्रांगण में बड़ा जय ढोल, ताल, मृदंग, शंख, शहनाई आदि अनेक वाद्यों द्वारा गगन-स्पर्शी ध्वनि पैदा करके माँ मनसा की पूजा की आरंभ के साथ-साथ देउधा लोगों में अपनी स्वशक्ति अभिलुप्त हो जाती है और देउधा लोग अवलील क्रम में मंदिर की और दौड़ने लगते हैं और वाद्य के ताल पर नृत्य करने लगते हैं । उसी समय देउधा में भविष्यवाणी करने के लिए एक आध्यात्मिक शक्ति पैदा हो जाती है । नृत्य की मुद्रा और भंगिमा आम जनता के लिए साधारण होते हुए भी कुछ विशेष अर्थ में आध्यात्मिकता का रूप दिखाती है । परिधान में नई धोती, कमीज, फूल का नया गमछा, बदन में फूलों की माला, हाथ में चाबुक और माँ कामाख्या से वरदान प्राप्त विशेष किस्म के तलवार लेते हैं । कुमारी के परिधान में कमरबन्द मेखेला कसकर बाँधते हैं, जैसे वीरांगनाएँ रण क्षेत्र के लिए तैयार होती हैं । वे लाल कपड़ा पहनकर, तेल, सिन्दूर लगाकर नृत्य आरंभ करते हैं । वे माथे का केश घुमा-घुमा कर हाथ में तलवार लिए नृत्य करते हुए देवी की आराधना करते हैं। कोच राजाओं के पूर्व से ही प्रचलित होते हुए भी इस नृत्य की शुरूआत कब से हुई, इसके बारे में सटीक रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता । इस अंचल के प्राचीन आदिवासी बड़ो के 'खेराई' पूजा के साथ इसका सामांजस्य देखा जाता है । इस नृत्य के प्रचार-प्रसार के अभाव के कारण यह अतीत की गुफाओं में विलीन होता जा रहा है । इस बारे में जानकारियाँ इकट्ठा करने के लिए आजकल कुछ गवेषकों द्वारा शोध कार्य भी किया जा रहा है ।

कविता

कोई तो है .....

- बकरीदन, *सुराधि/नि*

कोई तो हो जिसे आप अपना कह सको
कोई तो हो जिससे सब कुछ कह जा सके
कोई तो हो ऐसा जिसके होने से सब अच्छा लगे
कोई तो हो ऐसा, जिस पर एतबार कर सको
कोई तो हो जो जीने की वजह बन जाये
जिसके लिए कोई जीये जिसके लिए कोई मुरझाये
कोई तो हो जो इस बेरंग दुनिया को रंग जाये
जिसके संग हर रंग में रंगने को जी चाहे
कोई तो हो जो रोती हुई आँखों को हंसा दे
कोई तो हो जो खामोश लबों को चहका दे
कोई तो हो जिसका साथ, सौ जिन्दगी बन जाये
जिसके साथ का हर लम्हा एक जिन्दगी बन जाये
है कोई ऐसा आपके साथ
मेरे साथ है, मेरा दोस्त-चुप्पो

सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी

-सुरेश चन्द्र पिंगुवा
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी,
पू. सी. रेल, मालीगांव.

ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति और विकास ने सूचना क्रांति की अवधारणा को जन्म दिया है। कंप्यूटर इस क्रांति की प्रतिनिधि प्रौद्योगिकी है। मानव जीवन के समस्त कार्य-कलापों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के साधन उपकरण पर निर्भरता दिनों दिन बढ़ती जा रही है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अपनी भाषा के माध्यम से उपलब्ध हो जाए तो उनका इष्टतम और सार्थक उपयोग सिद्ध हो सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि सूचना प्रौद्योगिकी की व्यापकतर भूमिका को देखते हुए इसके माध्यम से हिंदी भी भौगोलिक सीमाएं पारकर वैश्विक स्तर पर इसमें घुलने-मिलने लगी है। हिंदी के भूमंडलीकरण की प्रक्रिया में कंप्यूटर की विशेष भूमिका रही है। आज हिन्दी में भी बहुत सी वेबसाइट का विकास हुआ है जिनका उपभोग कर पाठकगण लाभान्वित हो सकता है । इन वेबसाइट का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया जा रहा है-

1. www.rajbhasha.nic.in राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की इस साइट पर राजभाषा हिंदी संबंधित नियम, अधिनियम, वार्षिक कार्यक्रम, तिमाही, अर्धवार्षिक-वार्षिक विवरणी, हिंदी सीखने के लिए लीला प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ पैकेज आदि महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। इस साइट पर हिंदी शिक्षण योजना का परिणाम भी देखा जा सकता है।
2. www.rajbhasha.com इस साइट पर राजभाषा हिंदी संबंधित नियम, साहित्य, व्याकरण, शब्दकोश, पत्रकारिता, तकनीकी सेवा, हिंदी संसार आदि संपर्क सूत्र उपलब्ध है।
3. www.tdil.mit.gov.in भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इस साइट पर भारतीय भाषाओं के प्रौद्योगिकी विकास से संबंधित जानकारी उपलब्ध है। सॉफ्टवेयर अनुसंधान रत संगठन, भारत सरकार की भावी योजनाओं आदि की जानकारी उपलब्ध है। इस साइट की इलेक्ट्रानिपक पत्रिका विश्व भारत एक उपयोगी पत्रिका है तथा इस पर ऑनलाइन अनुवाद सेवा आंग्ल भारती जो आईआईटी कानपुर ने प्रदान की है। भारतीय भाषाओं के लिए उपयुक्त तकनीकी जानकारी उपलब्ध है।
4. www.cdcindia.com सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं के लिए इस साइट पर महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। इसने हिंदी, मराठी, संस्कृत और कोंकणी भाषाओं के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।
5. www.indianlanguages.com इस साइट पर भारतीय भाषाओं के साहित्य, समाचार पत्र, ई-मेल, सर्च इंजन आदि उपलब्ध हैं।
6. www.bharatdarshan.com न्यूजीलैंड में बसे भारतीय लोगों ने इस साइट पर हिंदी साहित्य, कविताएं, लघुकथा आदि सामग्री प्रस्तुत की है।
7. www.bologi.org पारिवारिक रंगारंग पत्रिका जिसमें हिंदी साहित्य, कला, संस्कृति आदि संकलन उपलब्ध है।
8. www.unl.ias.unu.edu टोकियो विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इस साइट पर हिंदी सहित विश्व की 15 भाषाओं के विकास के लिए अनुसंधान कार्य जारी है।
9. www.hindinet.com इस साइट पर हिंदी भाषा संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं संपर्क सूत्र उपलब्ध है।
10. www.microsoft.com/india/hindi2000 विश्व प्रसिद्ध माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने हिंदी भाषा के लिए एमएस ऑफिस-2000 पेज विकसित किया है। माइक्रोसॉफ्ट के अन्य उत्पादों में हिंदी को भी शामिल कर लिया गया है।
11. www.cstt.nic.in वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोजन, भारत सरकार द्वारा विकसित इस साइट पर प्रशासनिक शब्दकोश सहित अनेक विषयों के तकनीकी शब्दकोश प्रस्तुत किए गए हैं। हिंदी अंग्रेजी के लिए उपलब्ध शब्द कोश कार्यालयों के लिए काफी उपयोगी हैं।
12. www.ciil.org केंद्रीय भारतीय भाषाओं संस्थान, भारत सरकार ने सभी भारतीय भाषाओं के विकास के लिए इस साइट का निर्माण किया है।
13. www.gadnet.com इस साइट पर हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदी की कवितायें, गीत आदि साहित्य उपलब्ध हैं।
14. www.nidatrans.com इस साइट पर हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलगु, भाषाओं के लिए अनुवाद, डीटीपी सेवा आदि उपलब्ध है।
15. www.hindibhasha.com इस साइट पर हिंदी भाषा के लिए उपयुक्त जानकारी उपलब्ध है। ये कुछ प्रमुख हिंदी से संबंधित साइट हैं। इनके अतिरिक्त इंटरनेट पर कई साइट उपलब्ध हैं। क्षेत्रीय भाषाओं में सूचना प्रौद्योगिकी पर कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। बंगला में कंप्यूटर पर कार्य करने के लिए नि:शुल्क सॉफ्टवेयर Banglaword के नाम से उपलब्ध है। उसे डाउनलोड कर बंगला भाषा में काम किया जा सकता है।

अत: यदि आप कंप्यूटर पर कार्य करते हैं तो मेरा अनुरोध है कि अपनी भारतीय भाषाओं में छिपी असीम संभावनाओं को तलाशें, अनुसंधान करें एवं यदि कोई भारतीय भाषाओं से संबंधित तकनीकी सूचना आपके पास हो तो हमें भी जरूर बताएं इससे पूरे देश का फायदा होगा तथा हम अपनी दीर्घकालीन संस्कृति व भाषाई परंपरा की रक्षा कर सकेंगे।

यातायात सुविधा

	प्रगति	लक्ष्य
♦ कटिहार यार्ड का पुनर्निर्माण	कार्य पूरा हो गया और 08-06-08 को चालू कर दिया गया है ।	
♦ कामाख्या स्टेशन में कोचिंग की सुविधा (फेस-I)	50 %	मार्च, 2009

वर्कशॉप

	प्रगति	लक्ष्य
♦ न्यू बंगाईगांव में वर्कशॉप का आधुनिकीकरण	70 %	जून, 08
♦ न्यू गुवाहाटी डीजल शेड का विस्तार	75 %	दिसम्बर, 08
♦ कामाख्या जं- कोच रख-रखाव के लिए उप ढांचा का विकास	20 %	मार्च, 09
♦ किशंगंज-ट्रेन परीक्षण सुविधा	15 %	मार्च, 09

2008-2009 का परिव्यय

2008-2009 का परिव्यय

♦ रेलवे बजट	=	668.76 करोड़ रूपये
♦ अतिरिक्त बजटीय सहायता	=	759.00 करोड़ रूपये
♦ निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय)	=	11.19 करोड़ रूपये
कुल	=	1438.95 करोड़ रूपये

नोट : रेलवे बोर्ड के दिनांक 20-06-08 के पत्र संख्या-2008/ बी./146 के तहत राष्ट्रीय परियोजना हेतु कुल 759.00 करोड़ रूपये की अतिरिक्त बजटीय सहायता प्रदान की गई है ।

खर्च

♦ मई, 2008 के दौरान खर्च	=	74.20 करोड़ रूपये
	+	1.18 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	75.38 करोड़ रूपये
♦ मई, 2008 तक संचयी खर्च	=	149.42 करोड़ रूपये
	+	1.95 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	151.37 करोड़ रूपये
परिव्यय का % खर्च	=	10.52 %

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

	प्रगति	लक्ष्य
♦ तिनसुकिया मंडल में 4 स्टेशनों पर मल्टी एंट्री एक्सेल काउंटर (पू.सी.रेल में प्रथम बार)	कार्य प्रगति पर	30 जून 2008
♦ रंगिया मंडल में 14 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग	8 स्टेशन चालू कर दिया गया है । 6 स्टेशन चालू होने को तैयार है ।	30 जून 2008
♦ कामाख्या के इई-गिर्द 4 ब्लॉक सेक्शन में बी. पी. ए. सी. कार्य (पू. सी. रेल में प्रथम बार)	कामाख्या-आगथोरी सेक्शन चालू किया गया शेष सेक्शन में कार्य प्रगति पर है ।	30 जून 2008
♦ कटिहार-मालदा-गुवाहाटी के बीच सेवाइल ट्रेन रेडियो संचार प्रणाली	गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव सेक्शन पर चालू हो गया है तथा न्यू बंगाईगांव-न्यू जलपाईगुडी एवं कटिहार-मालदा सेक्शन में ट्रायल किया गया तथा फाइनल स्टेज में है।	30 जून 2008 30 जून 2008
♦ कुमारघाट-अगरतला (109 कि.मी.) में ओ एफ सी 6 क्वाड संचार प्रणाली	अम्बासा-अगरतला सेक्शन- समापन की ओर अग्रसर	30 जून 2008

वर्ष 2008-09 की लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

	प्रगति
♦ कटिहार-जोगबानी (आमान परिवर्तन)	कार्य पूरा करके इस सेक्शन को दिनांक 04-06-08 को चालू कर दिया गया है ।
♦ मानु-अगरतला (नई लाइन)	कार्य पूरा हो गया है । सी आर एस निरीक्षण के लिए तैयारी की जा रही है।
♦ सेनघुवा-सिलघाट (आमान परिवर्तन)	कार्य पूरा हो गया है । सी आर एस निरीक्षण के लिए तैयारी की जा रही है।

सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1	गुंजारिया से गाजोल (120 कि.मी.) तक नई लाइन का आर ई टी एस द्वारा सर्वेक्षण	2006-07	पश्चिम बंगाल	60 %	सितम्बर, 08
2	बरनीहाट से शिलांग तक नई लाइन	2007-08	मेघालय	40 %	दिसम्बर, 2008
3	जोगीघोपा-पंचरत्न से सिलचर तक नई लाइन	2007-08	असम तथा मेघालय	50 %	दिसम्बर, 2008
4	रूपाई से महादेवपुर, नामशेई चेंगखाम(अ.प्र.) होकर परशुरामकुंड तक (103 कि.मी.) नई लाइन का आर ई टी द्वारा सर्वेक्षण	2007-08	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	20 %	मार्च,2009

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ श्री शिव कुमार, महाप्रबन्धक/नि., श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि. एवं श्री बकरीदन मुराति/नि.

30 अप्रैल, 2008 को सेवानिवृत्त एक अधिकारी एवं पाँच कर्मचारियों के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति का भुगतान (फाइनल सेटलमेंट के कागजात) श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महाप्रबन्धक/निर्माण द्वारा स्वर्ण जड़ित पदक भी प्रदान किये गये । इस कार्यक्रम में महाप्रबन्धक महोदय के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल हुए ।

बधाई/शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

02 जुलाई, श्री आर. कालवन्दे, उप मुख्य इंजीनियर/नि/III/लामडिंग
08 जुलाई, श्री संजीव अग्रवाल, मुख्य इंजी/नि/II
13 जुलाई, श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण
31 जुलाई, श्री एस. पी. देशमुख, उप मुख्य इंजीनियर/नि/I/सिलचर
25 अगस्त, श्री कमलेश चक्रवर्ती, उप वि.स.एवं मुलेधि/नि/III
05 सितम्बर, श्री ए. एस. गरूड़, मुख्य इंजीनियर/नि/V

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

07 जुलाई, श्री के. वी. वाईपेई, वित्त सलाहकार एंव मुलेधि/नि-II
12 जुलाई, श्री एस.पी सिंह, उप मुख्य इंजी/नि/अभिकल्प-II

शब्द-ज्ञान

Chaos	अव्यवस्था
Convocation	दीक्षांत समारोह
Conveynote	वहन-पत्र
Cordial	सौहार्दपूर्ण
Counter bid	जवाबी बोली
Defalcation	गबन
Defamation	मानहानि
Defiance	अवज्ञा

श्रद्धांजलि

दिनांक 07-04-2008 को सर्वश्री लिंकोथोंग टोनसिंग, आई. आर. एस. ई. कार्य. इंजीनियर/नि/सिलचर एवं पुलीन गोगोई, जूनियर इंजीनियर/कार्य/सिलचर की ड्यूटी के दौरान एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई । वे जिरीबाम-तुपुल परियोजना के निरीक्षण के क्रम में यात्रा कर रहे थे । घटना स्थल पर ही दोनों रेलकर्मी तथा जीप चालक श्री कानू का देहावसान हो गया । अनुग्रह राशि का त्वरित भुगतान कर उनकी पत्नियों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है ।

इसके अतिरिक्त इस यूनिट के दो कर्मचारी श्री मायनुल हक, मुख्य टंकक/II/नि/सिगनल का दिनांक 25-05-08, श्री असीम अधिकारी, डी.एम.एस/नि/II/भंडार/मालीगांव का दिनांक 30-05-08 तथा श्री आर. सी. दास, उप मुख्य वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि/सिलचर का दिनांक 22.06.2008 को देहावसान हो गया। इन लोगों की आत्मा की शांति के लिए निर्माण संगठन में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण की उपस्थिति में शोक सभा का आयोजन करके 2 मिनट का मौन रखा गया ।

गजभाषा अनुभाग/निर्माण की ओर से वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी/निर्माण द्वारा प्रकाशित, दूरभाष : 2572794, 94355-50807

मुद्रक : दास ग्राफिक्स एण्ड आफसेट प्रेस, मालीगांव, गुवाहाटी-781012, दूरभाष : 98641-01480, 94351-43284